सं श्रो वि । एफ बी । 101-86/45639. चूं कि हिरयाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं यमों स्टील इन्टरप्राईजिज, प्लाट नं 7-बी, न्यु इण्डस्ट्रीयल एरिया, फरीदाबाद, के श्रीमिक श्री जगदम्बा प्रसाद, गांव व डा० वलदव नगर बाजार, तह० बलरामपुर, जिला गोण्डा (यू० पी०) तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई मौद्योगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उप धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई गिक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामलें जो कि उगत प्रवन्धकों तथा श्रीमकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है भ्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :---

क्या श्री जगदम्बा प्रसाद की सेवाछों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस <mark>राहत का</mark> हकदार है ?

सं बो॰ वि॰/एफ॰डी॰/168-86/45646.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं॰ प्रकाश मशीन टूल्ज, प्लाट नं॰ 326, सैक्टर 24, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री छत्र बहादुर मार्फत गजेन्द्रपाल, एक्स एम॰ सी॰, 230, पक्की मार्किट, फरीदाबाद तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, श्रव, श्रीद्योगिक विवाद ग्रीधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त श्रिधिनियम की धारा 7क के श्रिधीन गठित श्रीद्योगिक श्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिद्धिट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रीमकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है ग्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतू निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री छत्न बहादूर की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० भ्रो० वि०/एफ० हो०/211-86/45655. चूंकि हिर्याणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० ठेकेदार पी० एन० सेठ, मैं० हिन्दुस्तान कोको कुवायर लि०, मयुरा रोड़, फरीदाबाद के श्रमिक श्री देवेन्द्र सिंह, पुत्र श्री भूले सिंह, मार्फत मजदूर सेवक संघ राजेन्द्र फार्म लिंक रोड़, फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई भौद्योगिक विवाद है ;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपघारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिद्धि मामला जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामलें है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री देवेन्द्र सिंह की सेवाभ्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० श्रो०वि०/एफ०डी०/148-86/45662--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० एल० के० स्ट्रीपस प्रा०लि०, प्लाट नं० 169, सैक्टर 24, फरीदाबाद, के श्रीमक श्री समुन्द्र सिंह दहिया, गांव मीर खोडी, जिला रोहतक तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है ;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायिनर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिये, अब, भौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की घारा 10 की उपघारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके ढारा उक्त अधिनियम की घारा 7क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हें तु निर्दिष्ट करते हैं:—

> क्या थी समुन्द्र सिंह की सेवा समाप्त की गई है या उसने स्वयं त्यागपत दे कर नौकरी छोड़ी है ? इस विन्दु पर निर्णय के फलस्वरूप वह किस राहत का हकदार है ?

> > त्रार. एस. श्रद्भवाल, उप-सचिव, हरियाणा सरकार, श्रम विभाग ।